महाराणा प्रताप पर्यटन परिपथ का विकास

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने उदयपुर में महाराणा प्रताप जयंती समारोह के उद्घाटन के दौरान महाराणा प्रताप पर्यटन सर्किट/परिपथ के विकास के लिये **100 करोड़ रुपए** के **निवेश** की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

- उन्होंने कहा कि **16वीं सदी के यह राजा समग्र विश्व के युवाओं के लिये प्रेरणा के स्रोत** हैं।
  - उनकी विरासत का व्याख्यान करने के अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की असाधारण वीरता, शौर्य और देशभक्ति पर प्रकाश डाला।
- राजस्थान सरकार स्थानीय निवासियों और पर्यटकों के लिये स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिये **चिकित्सा विज्ञान तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित प्रौद्योगिकियों में जन-अनुकूल नवाचारों** को क्रियान्वित करने के लिये भी कार्य कर रही है।

महाराणा प्रताप

- **राणा प्रताप सिंह**, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का **जन्म 9 मई 1540** को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
  - वे **मेवाड़ के 13वें राजा** थे और **उदय सिंह द्वितीय** के सबसे बड़े **पुत्र** थे।
  - महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने मेवाड़ राज्य पर शासन किया और चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाया।
    - **उदय सिंह द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक** भी थे।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
  - हल्दीघाटी का युद्ध वर्ष 1576 में **मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह** और **आमेर के राजा मान सिंह** के बीच हुआ था, जो मुगल सम्राट अकबर का सेनापति था।
  - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध किया किंतु अंततः **मुगल सेना से पराजित हुए**।
  - ऐसी मान्यता है कि **महाराणा प्रताप के वफादार घोड़े चेतक** ने युद्ध के मैदान से बाहर निकलते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।
- **पुनःनियंत्रण:**
  - **वर्ष 1579 के बाद** मेवाड़ पर मुगलों का प्रभाव कम हो गया और महाराणा प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर तथा गोगुन्दा सहित पश्चिमी मेवाड़ पर पुनः अपना प्रभुत्व स्थापित किया।
  - इस अवधि के दौरान उन्होंने वर्तमान डूंगरपुर के पास एक नई राजधानी चावंड (Chavand) का निर्माण भी किया।
- **देहावसान:**
  - 19 जनवरी, 1597 को महाराणा प्रताप का निधन हो गया। महाराणा प्रताप की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र **राणा अमर सिंह** ने राजगद्दी ग्रहण की और वर्ष 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर की प्रभुता स्वीकार की।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/development-of-maharana-pratap-tourist-circuit